गोसाउनिक गीत



कल्पना झा

मंगलाचरण

रिद्धि–सिद्धि केर संग हे, गणनायक गुणखान।
कृपा सुधा रसधार सँ, पूर्ण करहु सब काम।।
उद्भव पालन अरु संहार, तीनू जिनका हाथ।
करू कृपा माँ कालिका, अयलहुँ शरण तोहार।।
सद्गति सम्मति मोक्ष केर दाता हे करतार।
कृपा करहु निर्बुद्धि पर, करियौ भव सँ पार।।
जनि बिनु जीवन अंध अछि, कृपा स्नेह गुणधाम।
हाथ जोरि विनती करी, गुरु जीवन धन–धाम।।
शुभ्र ज्योत्सना शुभ्र वसन, ज्योर्तिमय माँ बाणि।
जिह्वा आबि विराजु माँ, उचरए मधुमय छंद।।
सम–विषम मिलि संग–संग, वास करए जाहि ठाम।
सहज सुमंगल कारिणीं, माँ गिरिजे प्रणमामि।।
वसन बाघम्बर छाल अछि, कंठ हार जिन नाग।
भूत–प्रेत संगमे सदा, प्रणवउँ गौरीनाथ।।

सरस्वती वन्दना

भगवती माँ हे भवानी, बुद्धिदा माँ शारदा
ज्ञान दायिनि तिमिर नाशिनि
ज्योत्सना रश्मि पसारू
शरणमे हम ठाढ़ छी माँ, कृपा दृष्टि दए निहारू
अल्पज्ञानी मलिन मति हम
मातु ज्ञानक दीप बारू
पथ भटकि हम छी हेरायल
मातु हे रस्ता देखाबू
हंसवाहिनि वीणा वादिनि
मातु मधुमय सुर सजाबू
जानि सुत हे जगत माता, टेल्ह कँ कोरा उठाबू
छमहुँ सभ अपराध अम्बे, मातु हे करूणा देखाबू



काली माँक अर्चना

खड्ग नेने प्रकटलि काली,
दुष्ट के संहारलि, माँ हे...
भगता के केलनि उद्धार
रण–वन घूमथि काली,
निशिचर मारथि, माँ हे...
अबला पर रहथि सहाय
लाले–लाले चुनरी माँ कँ
कारी–कारी लट छन्हि, माँ हे...
मुण्डक माला ग्रीमलहार
पैरक पायल माँ केर
रूनु–झुनु बाजनि, माँ हे...
अढहुल फूल काली कँ श्रृंगार
फूल पान नारियल लए
काली हम पूजब
माँ हे...
सदाए रहब रक्षापाल माँ हे...
भैरव रहथि रक्षापाल



माया केर जंजाल सँ

सुनू माँ काली हमर पुकार
करू ने सेवक केर उद्धार
चरणमे आबि बैसल छी
थाकि सगर संसार सँ
माया केर जंजाल सँ ना
नहि जानि पूजा जप–तप ध्यान
तैयौ करियौ माँ कल्याण
हे मैया आबि फँसल छी
जीवन केर मझधारमे
माया केर जंजालमे ना
सुनलहुँ केलियै सभक उद्धार
सुनू ने कल्पनो के पुकार
हे मैया आबि उबारू,
कंटक भरल पहाड़ सँ,
माया केर जंजाल सँ ना



तीन नयना वाली काली

तीन नयना वाली काली, श्यामलि श्यामा हे
माँ हे..., खड्ग खप्पड़ शोभनि हाथ
मुण्डमाल गरदनि शोभनि, लाले लाले चुनरी हे माँ हे...
सिंहक पीठ असवार
तीन...
रूनु–झुनु नूपुर बाजनि, छम–छम पायल
माँ हे..., घुँघरू करए गुंजार
तीन...
निबल सहायक माता
अबला के बल छथि
माँ हे..., दुष्ट केर करथि संहार
तीन...
पिरिया बनाएब माँ हे, मन संओं पूजब,
माँ हे...
भगता (सेवक) पर रहब सहाय माँ हे...
हमरो पर रहब सहाय,
तीन नयना बाली काली...



बहिकिरनी राखू ने

महाकालिका जगदम्बे माँ,

बहिकिरनी राखू ने

हे माँ बहिकिरनी राखू ने...

गंगाजी सँ जल भरि लाएब

पिरिया सब दिन नीपब

फूल–पान लय अहाँ कँ रिझायब

गहबर ख़ूब सजाएब

माँ बहिकिरनी राखू ने...

अढ़हुल, तीरा, सिंहरहार केर,

सिंचि–सिंचि बाग लगायब,

सबदिन भोरे लोढ़ि–लोढ़ि लायब,

हार गूंथि पहिरायब

माँ बहिकिरनी.....

अंचरा मे गूंथब रूनु–झुनु घुंघरू

नूपुर गढ़ि पहिरायब,

खीर-पुड़ी केर पातरि साजब

भोग अहीं कँ लगायब माँ बहिकिरनी....

माफ करू अपराध हे मैया,

धीया हम अज्ञानी

हमरो मिनती सुनियौ मैया

बना लियौ बहिकिरनी माँ....



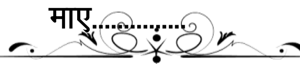
भक्तक आब पुकार सुनू

माय एक बेर फेर सँ अहाँ, खड्ग–खप्पड़
संधान करू, जगत जननि हे माँ जगदम्बा
भक्तक आब पुकार सुनू
चण्ड–मुण्ड आ रक्तबीज सब
पनपि उठल अछि फेर धरा पर
सिंह वाहिनी दुर्गा मैया
आब एकर संहार करू
शक्ति स्वरूपा हे जगदम्बा
अहां विलम्ब नहिं आब करू।
माए..................

गर्भहि में जे भ्रूण हत्या कए
पातक पतित बनय छथि माँ
मातु, बहिन, पुत्री–परपुत्रीक,
लाजक हरण करई छथि माँ,
लक्ष्मी सरस्वती हे महाकाली
नाम अपन चरितार्थ करू।
माए...................................

चोरी–चपाटी, छीना–झपटी
नित्यक कृत्य बनौने छथि जे
छल अरू कपट बढ़ा ध्रती के
क्षीण–मलिन केने छथि जे
आबहु कृपा करू जगदम्बा
आबि एकर संहार करू।
माए.............................

अपना गृहमे कियो शांत नहि
अशांति केर साम्राज्य बढ़ल
नेना–भुटका ओ जड़-चेतन
सबटा हकन कनय अछि माँ
हे जगदम्बा छी अवलम्बा
तारिणि-तरणि बनू हे माँ।
माए..............



मन सँ हेरियौ ने

मैया हे धेलहुँ चरण अहाँ केर
एक बेर मनसँ हेरियौ ने।
आशा लगेलियै हे मैया
भेलियै निराशे सभ दिन
पुरलै ने कहियौ हे मैया
हमरो मनोरथ
एकबेर आब पुरबियौ ने
मैया...................................

सब दिन सुनलियै हे मैया
करूणा केर सागर थिकहुँ
सबहक बेरिया हे माता
अहीं पुरेलियै,
हमरा कियै बिसरलहुँ ना
मैया हे.................................

कल्पना कहए कलजोड़ि
सुनियौ हे मातु भवानी
भरिजग सँ हारल–थाकल
एलहुँ दुआरि
आबो दया देखबियौ ने
मैया हे................



आओर नहि दोसर हे

जगत जननि माता काली

सकल गुण आगर हे

आहे...

अहीं पर धएलहुँ आश, हमर नहिं दोसर हे

क्षमहुँ माँ अवगुण मोर दया केर सागर हे

आहे... अहीं थिकहुँ तारणिहारि

आओर नहिं दोसर हे

शरण गहब दिन–राति

जतन सँ ध्यायब हे

आहे पूर्ण करहुँ मन काम

हमर थिक अवसर हे

कल्पना कहय कलजोड़ि

सुनहु माता कालिका हे

आहे थिकहुँ अहीं अवलम्ब

सकल सुख दायिनी हे



लागए हमरा डर हे

काली आबि रहल छथि सिंह पर सवार हे
बैसती गहबर घर हे ना
अढ़हुल फूल हम लोढ़ि-लोढ़ि लायब
माँ कँ हार गूंथि पहिरायब
मुण्डक माला देखि कँ
लागय हमरा डर हे, बैसती...

सुंदर लहठी किनि–किनि लायब
मन सँ मैया कँ पहिरायब,
हाथक खड्ग–खप्पड़ सँ
लागए हमरा डर हे बैसती...

गम–गम गजरा कीनिक' लायब
मैयाक चोटी खूब सजायब
छितरल केश देखिकँ
लागय हमरा डर हे बैसती...

रचि–रचि पानक बिड़िया लगायब
प्रेम सँ मैयाक मूँह खोआएब
रक्तिम जीभ देखिकँ
लागए हमरा डर हे बैसती...



महिमा अगम अपार

हे महागौरी माँ, हे जगदम्बे माँ
अहाँक महिमा अगम अपार
शिवजीक वाहन बसहा बरद छैन्ह
माँ केर वाहन शेर
जन्मजात बैरी अछि दुनू
ठानल सदिखन बैर
हे जगदम्बे...

शिवजीक गरदनि साँप विराजे,
कार्तिक पोसलनि मोर,
मूषक लए गणपति छथि बैसल
सभ के सभ प्रतिकूल,
हे...

मैयाक अंगना संगहि विराजे
दूत, भूत अरू दानव
स्नेह मंत्रमे बान्हिकें मैया
सभटा कँ समधानल हे...

हे महागौरी माँ
अहाँक महिमा अगम अपार
हे जगदम्बे माँ
अहाँक महिमा अगम अपार



प्रेम पुष्प लए

प्रेम पुष्प लए ठाढ़ छी मैया
लिअ अम्बे स्वीकार करू,
जगत जननि हे माँ जगदम्बा,
अवगुण सभटा दूर करू
प्रेम...

गहब चरण अहीं केर मैया
शरणागत बनि आयल छी
हारि–थाकि हम भरि दुनियाँ सँ
अहींक शरणमे लागल छी
प्रेम...

पूजा, जप, तप नहिं जानैत छी
अहाँकेँ रिझायब नोरे सँ
माफ करू अपराध हे अम्बे
थाकि गेलहुँ सभ ओरे सँ
प्रेम...



नवदुर्गा स्तुति

जयति जय महिषासुर मर्दिनी
जयति जय जगदम्बिके
प्रथम माता शैलपुत्री
रोग व्याधि विनाशिनी
द्वितीय छी माँ ब्रह्मचारिणी
ज्ञान–बुद्धि प्रदायिनी
तृतीय हे कूष्माण्डा माता,
ज्ञानवृद्धि दयानिधे
पंचमं स्कंदमाता,
शौर्य–स्वास्थ्य प्रदायिनी
छठम हे कात्यायिनी माँ
रूप सुंदर दायिनी
सप्तमं माँ कालरात्रि
सर्व कष्ट विमोचिनी
अष्टमं माँ महागौरी सुख–शांति प्रदायिनी
नवम हे माँ सिद्धिदात्राी
ताप-त्राास विमोचिनी
जयति जय हे नवो देवी
सर्वकाम प्रदायिनी



हरि ले विपत्ति हमार

सुनहीं ने मैया गे,
हरि ले सभटा विपत्ति हमार
पूजा ने केलियै ध्यान ने धेलियै
जपलौं ने नाम तोहार
मातु कुमातु ने होइछै कखनो
जानय सब संसार, सुनहीं ने...
नीक कर्म नहिं केलियै कहियौ
पापहिं गेलौं ओझराई,
दान ध्यान नहिं भावय कखनो
लोभहि लुबघल जाइ, सुनहीं ने...
पापी–घाती कतबो छी हम
तों छें तारिणींहारि
हाथ पकड़िक'
करहीं मैया
भवसागर सँ पार
सुनहीं ने मैया गे,
हरि ले सबटा
विपत्ति हमार,
नेना सभ केर सुनि ले पुकार



सभटा भेले वीरान

हे करुणामयि माँ तकियौ ने
किये केने छी वीरान
मेघ विदकलै पानि सुखेलै
नदि–नाला ओ धार सुखेलै
हकन कीनिक’ सूखि रहल छै
सगर खेत खरिहान
हे करुणामयि...
पोखैर आओर इनार भथेलै
धरतीक कोंढ़ छहोछित भेले
जीव जन्तु ओ चिड़िया चुनमुन
भेलै सभ हलकान
हे...

गाछ–वृक्ष ओ बाग उजरलै
लता–पता सभ सेहो सुखेलै
खेत–पथार, बाड़ी–फुलबाड़ी
सभटा भेलै वीरान
हे...



दियौ दर्शन महाकाली

दियौ दर्शन महाकाली
अहीं केर ध्यान धेने छी
चरण धए ठाढ़ हे जननी
कठिन प्रण ठानि नेने छी
नहि जानी मंत्र पूजा हम
नहिं गाबी भावमय पाँति
हृदयमे हम सजौने छी
अहीं के मूर्ति हे जननी,
दियौ दर्शन...

पतित पातक छी हम भारी
केलहुँ नहिं कर्म हितकारी,
अहीं केर आश धए एलहुँ
करू उद्धार हे जननी
दियौ दर्शन...

सुनू हे करुणामयि माता
अहीं छी जगत कल्याणी
करू कल्याण जन–जन पर
अहीं केर पुत्र–पुत्री छी



करु सब माफ हे जननी

करू सब माफ हे जननी,
जतेक अपराध केने छी,
भरल दुर्गुण मलिनमति हम,
सुकारज कए ने पाबै छी
अपन प्रिय श्रेष्ठ गुरुजन कँ
केलहुँ नहिं मातु हम सेवा
तखन हम पायब आब कोना
सुमति सद्‌बुद्धि केर मेवा
करू...

भटकलहुँ लोभमे परिक'
कुबुद्धि आओर कुसंगी छी
सदति सन्मार्ग कँ छोड़ने
पड़ल छी पंथ पांतरिमे
करू...

उबारू आब हे मैया
डूबल मझधारमे नैया
अहाँ जँ नहिं उबारब माँ
कहू ककरा शरण जेबै
करू...



हमर पुकारक बेर

हमर पुकारक बेर छौ मैया,
देरी कतय लगेलहीं गे,
अमृत रस छलका दे मैया
जीवन सफल बनायब गे
बेटी तोहर हकन कनै छौ
परल बीच मझधारमे
तोरा सिवा नहिं कियौ सहारा
भेटल अहि संसारमे, हमर पुकारक...
आँखि मूनि छें ध्यानमे बैसल
हमरा कियेक बिसरलें गे
तोरे पर हम आश लगेलियौ
कोरा लहीं उठाय गे हमर पुकारक...
हाथ पकड़ि संग लगा ले मैया
हारि गेलहुँ सब ठाम सँ
आब चरण नहिं छोड़बौ मैया
थाकिकें भेलहुँ हरान गे
हमर...



माँ शक्ति स्वरूपा

भगवती हे माँ शक्ति स्वरूपा
सकल जगत केर छी अहीं माता
करुणामयि जय भाग्य विधाता
करू कृपा, माँ वैष्णवी माता
भगवती...

सिंह वाहिनी हे जगत्राता
असुर संहारक भैरवि माता
भगवती...

चण्ड–मुण्ड विनाशिनी हे माँ
रक्तबीज केर घातिनी अम्बा
भगवती...

भक्तजनन केर रक्षिणी माता
दुर्गा दुर्गति नाशिनि अम्बा
भगवती...

भाग्य विधाता हे सुखदाता
संकष्ट हारिणीं ज्वाला माता
भगवती...



शिवप्रिया भगवती

शिवप्रिया हे महागौरी,
शिखर वासिनी भगवती,
जोगिया संगे वास हिनकर
दीन–हीन निज ठाम नहिं
महालक्ष्मी सरिस संगी
विविध वैभव शालिनी
शिव छथिन्ह भंगिया भिखारी
भस्म लेपने अंगमे शिवप्रिया...
माँ उमा माया पसारल
सुनहु हे शिव जोगिया
हमहुँ आई गहना पहिरबै
झोरिया खोलि दियौ दाम यौ
शिप्रिया...
अनका लेल बड़ दानी जगमे
अपना लेल कंगाल यौ
चुटकी भरिक' भस्म देलनि
यएह थिक गहनाक दाम हे
शिवप्रिया...
भस्म लए गौरी फिरथि चहुंदिशि
सोनरा, जौहरी दोकान यौ,
भस्म केर समतूल किछु नहिं
चकित महिमा जानि हे
शिवप्रिया...
जगतमातु हे महागौरी
शिव थिका त्रिभुवन नाथ हे
महिमा हिनकर के नहि जानए
स्वीकारू प्रणाम हे



महाकाली महामाया

महाकाली महामाया
संकट नाशिनी भगवती
महिमा अमिट अपार जगमे
करू कृपा हे भगवती
रूप योगिनी, कर्म योगिनी
जगत रक्षिणी भगवती
दुष्ट दलन निकन्दिनी हे
रक्षा करू हे भगवती
महाकाली...
कष्ट हारू, विपत्ति टारू
पलक हेरू भगवती
भक्त शरण लगाय राखू
दया करू हे भगवती
महाकाली...



सिंहवाहिनी माँ

जयति जय–जय सिंह वाहिनी
जयति दुर्गा भवगती माँ
जयति महिषासुर मर्दनि
संत–भक्तक
तारिणी माँ
जयति...
विकट अति अरूणाभ लोचन
दुष्ट–दलन निपातिनि माँ
जयति...

मुक्ता सदृश दंत पाँति
बिहँसि दुष्ट संहारिणी माँ
जयति...
लक्ष्मी रूपा अन्नपूर्णा
सकल पालन कारिणी माँ
जयति...



सपनामे देखलहुँ ना

मैया हे रूप तोहर मनभावन
आजु हम सपनामे देखलहुँ ना
शंख चक्र पद्म नेने
डमरू त्रिशूल नेने
देखि–देखि रूप माँ केर
निशिचर डेरायल
आजु हम...

रूनु–झुनु नूपुर बाजे
छम–छम पायल
गर्जन सिंहक सुनिक'
दुर्जन पड़ायल
आजु हम...

पावन रूप माँ केर
बड़ रे सोहावन लागे
चंडिका रूप देखि
दानव डेरायल
आजु हम...



आनन्दे रहबै

हम आनन्दे रहबै ना,
माँ कालीका शरणमे
हम आनन्दे रहबै ना
भोरे उठि हम पिरिया नीपव
रचि–रचि फूल सजायब
चौमुख दियरा बारिक'
मैया मिनती गाबि सुनायब
हम आनन्दे..
मिठ–मिठ फल हम
तोड़ि–तोड़ि लायब
माँकेँ भोग लगायब
आरति गायब,
चँवर डोलायब
जीवन सुफल बनायब
हम आनन्दे...
आश अहीं केर धेलहुँ मैया
सकल जगत सँ थाकल
चरण बैसि शिव दर्शन पायब
भवसागर तरि जायब
हम आनन्दे रहबै ना



भाग बदलियौ मैया

महिमा सुनि हम शरणमे अयलहुँ
बेरा पार लगेबियौ ने
हे जगदम्बा छी अबलम्बा
कृपा सुधा बरसबियौ ने
महिमा...

पुत्र कुपुत्र छी भटकल जगमे
रस्ता आबि देखबियौ ने
दिव्य स्वरूपा हे जगदम्बा
शुभ्र ज्योति दमकबियौ ने
महिमा...

हे जगद्रष्टा कियेक रूसल छी
नेत्र खोलिक' तकियौ ने
सभ अपराध बिसारि हे माता
अपना चरणमे रखियौ ने
महिमा...

केवल आश अहीं केर माता
आबहु आश पुरबियौ ने
जनम–जनम केर दुखिया छी हम
आबहु भाग बदलियौ ने
महिमा...



सरस्वती वंदना

ब्रह्मचारिणी तिमिर नाशिनीं
हंस वाहिनी भगवती
वीणा पुस्तक हस्त राजित
शारदा माँ भगवती
कमल दल पर छी सुशोभित
शुभ्र ज्योति प्रकाशिनी
पीत पुष्पक हार शोभित
ब्रह्मवादिनि भगवती
आश धेने चरण बैसल
पुत्र–पुत्री मलिन मति,
ज्योतिपुंज प्रकाशिनी हे
ज्ञान दायिनी भगवती
आबि जननी स्वयं सम्हारु
संतति प्रति पालिका
ज्ञान, बुद्धि, विवेक दात्री
ज्योत्सना माँ भवगती



घुँघरू बाजय ना

मैया हे अँचरी बहुत सोहावन
रूनु–झुनु घुंघरू बाजय ना
लाली चुनरिया हे मैया
सोने तार गोटा लागल,
चाँदी तार फुदना
चम चम चमकै छै कोना
मैया हे...

चोली सतरंगा हे मैया
सलमा–सितारा गूथल
हीरा नग बट्टम
दम–दम–दमकै छै कोना
मैया हे...

सोने केर पायल मैया
रूपे बोर गूथल
नहु–नहु डेग
छम–छम–छमकै छै कोना
मैया हे...



शेर पर सवार काली

घूमथि शेर पर सवार
माता जय हे काली
करथि दानव केर संहार
माता जय हे काली
शंख चक्र खड्ग भाँजथि
मैया कपालिनि
असुर खिहाड़ि मैया
पीटथि ताली, घूमथि...
शोणित पीबि काली, भेलि मतवालि
लप–लप जीभ मैया
दमके लाली
घूमथि...
तामसे ब्याकुल मैया
भेलि रणचण्डी
शिवजी चरणमे देखि
गोतलनि मूड़ी घूमथि...



लोढ़ि लाएब कचनार

लोढ़ि लाएब कचनार हे मैया
लोढ़ि लाएब कचनार
फूल लोढ़ि लाएब
पिरिया सजाएब
माँ केर करब श्रृंगार हे मैया
लोढ़ि लाएब...

धूप दीप गुग्गुल गमकायब
आरतीक थारी सेहो सजायब
इत्रक छोड़ब फुहार हे
मैया, लोढ़ि लाएब...

खीर पुड़ी केर पातरि साजब
केरा, पेड़ा, थार सजायब
माँ कैँ भोग लगायब हे मैया
लोढ़ि लाएब...



शरण एलहुँ भवानी

शरण एलहुँ हे भवानी
अहींक आशा पाबिक'
रक्तपुष्पक हार नेने
दीप चौमुख बारिक'
फूल बेलपत्र खोंटि आनल
लौंग दक्षिणी पान संग
नित्य पूजब हे भवानी
भोग पातरि साजिक'
मंत्र जप–तप हम नहि जानी
मूढ़ मति अति हम भवानी
एक आश अहींक माता
करू कृपा पट खोलिक'
बिघ्न बाधा आब हरियौ
शोक बिपदा दूर करियौ
पूर्ण सभ मनकाम करियौ
दया दृष्टि डालिक'



मैया छमकैत आबथि ना

रूनुझुनु घुंघरूक शब्द सोहाओन
मैया छमकैत आबथि ना
काली मैया छथि बड़ दुलरी
छम–छम छमकैत आबथि ना
एक हाथ खड्ग शोभनि
दोसरमे खप्पड़
टप–टप शोणित टपकए ना
रूनुझुनु...

एक हाथ त्रिशूल शोभनि
दोसरमे डमरू
डिम–डिम–डिमकैत आबय ना
रूनुझुनु...

एक हाथ शंख शोभनि
दोसरमे पद्म
गम–गम–गमकैत आबय ना
रूनुझुनु...

दुनू हाथे आशीष मैया
सभकेँ बाँटैत आबथि
आनन्द बरिसन लागे ना

रूनुझनु घुंघरूक शब्द सोहाओन
मैया छमकैत आबथि ना, काली मैया
छथि बड़ दुलरी, छम–छम छमकैत आबथि ना



शरणमे हारि बैसल छी

सुनू विनती हमर अम्बे
चरणमे आबि बैसल छी
थकित संसार सागर सँ
शरणमे हारि बैसल छी
भटकि गेल बाट हे अम्बे
बनल पातक पतित जगमे
सताबए अबला–निबला कँ
चलय सिर गर्व सँ तनने
बिसरि गेल माए केर ममता
बहिनक स्नेह नहिं भावए
अपातक बनिक' अछि त्यागल
अपन सद्आचरण सभटा
सुबुद्धि दए सम्हारू माँ
पसारूने अपन माया
कुपुत्रो कँ समेटू ने
दया करू हे महामाया



नवदुर्गाक मिनती

मैया दुर्गा एलथिन्ह नैहर
रूनुझुनु नूपुर बाजय ना
नवो बहिनि एलथिन्ह नैहर
छन–छन घुंघरू बाजए ना
प्रथमहि पूजू सखी हे, माता शैलपुत्री
देथिन्ह निर्मल काया ना
दोसरमे पूजू सखी हे
माता ब्रह्मचारिणीं
ज्ञानक गंगा बहतै ना
तेसरमे पूजू सखी हे, माता चन्द्रघंटा
विपत्ति सभटा हरथिन्ह ना
चारिममे पूजू सखी हे
माता कुष्माण्डा
बुद्धि विवेक जगौथिन्ह ना
पांचममे पूजू सखी हे, जननी स्कंदमाता
शौर्यशील बनौथिन्ह ना
छठममे पूजू सखी हे
कात्यायिनी माता
सुन्दर रूप सजौती ना
सातममे पूजू सखी हे, मैया कालरात्रि
सबहक कष्ट मेटौथिन्ह ना
आठममे पूजू सखी हे
देवी महागौरी
सुख–शांति सँ भरती ना
नवममे पूजू सखी हे, मैया सिद्धिदात्री
सभटा त्राास मेटौथिन्ह ना
मैया दुर्गा एलथिन्ह नैहर
रूनुझुनु नूपुर बाजय ना
नवो बहिनि एलथिन्ह नैहर
छन–छन घुंघरू बाजय ना



मैया सदति सहाय

काली पूजू हे सोहागिनि
मैया रहती सदति सहाय
अढ़हुल फूल बड़ प्रियगर माँ कँ
सुन्दर बाग लगाउ
नित उठि गंगाजल सँ सींचू
लाल–लाल फूल पुलायत
मैया रहती...

कदलीफल बड़ प्रियगर माँकँ
सुन्दर बाग लगाउ
नित उठि गंगाजल सँ सींचू
लुबधत घौंद हजार मैया रहती...
दूध खीर बड़ पियरगर माँ कँ
पोसू कपिला गाय
नित उठि माएक दर्शन पायब
जन्म–जन्म तरि जायब
मैया रहती...



सेवक हृदय विराजैछी

काली मैया हे महामाया
श्यामा अहीं कहाबै छी
जग कल्याणी मातु भवानी
सेवक हृदय विराजै छी
संकट हारिणीं मंगल कारिणीं
सभ केर संकट टारै छी
मंगलमय–मंगलमय भरि जग
मंगला गौरी कहाबै छी
सेवक केर कल्याणक खातिर
बहुविधि रूप धरौने छी
दक्षिण दिशामे वास अहाँ केर
दक्षिणेश्वरी कहाबै छी
सभ पर कृपा करू हे माता
जगत जननि जगदम्बा छी
कृपा सुधा बरसबियौ मैया
अहींक शरण हम आयल छी



स्वीकारू हे माय

दुर्गा दुर्गति नाशिनी
विघ्न विनाशिनि माए
फूल लोढ़ि अनलहुँ
बेलपत्र खोंटलहुँ
स्वीकारू हे माय
दुर्गा...

चन्दन घसलहुँ
अक्षत खोंटलहुँ
स्वीकारू हे माय
दुर्गा...

धूप–दीप लेसलहुँ
आरती गेलहुँ
स्वीकारू हे माय
दुर्गा...

कल जोड़ि मिनती
करैत छी भवानी
रहियौ सदति सहाय
दुर्गा...



दुर्गा मैया हे

मैया दुर्गा हे,
कोना पूजब चरण तोहार
नहाए–सोनाय हे मैया
गहबर अयलहुँ
पूजन सामग्री सेहो
संग हम अनलहुँ
शेरक–दहाड़ सुनि
डरे परेलियै मैया दुर्गा ..
वसन आभूषण मैया
संग हम अनलहुँ
कमलक फूल केर
हार गूथिं अनलहुँ
खड्ग त्रिशूल देखि
डरे परेलियै मैया दुर्गा ..
पंचमेर मधूर मैया
थार साजि अनलहुँ
खीर पुड़ी सँ मैया
पातरि साजलहुँ
सोनित आधार देखि
डरे परेलियै
मैया दुर्गा हे...



पूजा की थिक कियो नहि जानय

फूल पान प्रसाद चढ़ाक' हमरा
पूजथि सकल जहान
मूर्ति बना पंडाल सजावथि
जगमग ज्योति जरय सभठाम
मंत्रक जाप करैत छथि सभ खन
माला फेरथि नित आठो याम
जगत् जननि जगदम्बा माए केर
करथि पूजा सर्व विधान
कन्या भोजन नित्य कराबथि
वसन श्रृंगार सबहि किछु आनि
ससम्मान पूजथि सभ देवी
ताकि–हेरि चहुँ दिशि सँ आनि
किछुए दिनमे बिसरि जाइत छथि
शक्तिक पूजा जप–तप ध्यान
गर्भहिमे सँ नोचि फेकैत छथि
पूजथि जिनका सर्व विधान
मूर्तिक पूजा एतेक जतन सँ
देखि–देखि मन हर्षित अविराम
झूर–झमान तखन हम होइत छी
घर–घर देखि बेटीक अपमान
पूजा की थिक कियो नहिं जानथि
अंधभक्ति सँ तृप्त छैन्ह प्राण
तैयो नहिं बनि सकी विमाता
जानय सभटा सकल जहान



विनती सुनियौ मैया

मातु शरण हम अयलहुँ
हमर विनती सुनियौ मैया
काली शरण हम अयलहुँ
हमर विनती सुनियौ मैया
पहिल विनती सुनियौ हे मैया
कुशल–कुशल राखब सभ भैया
भौजी कँ अमर सोहाग
हमर विनती सुनियौ मैया
मातु शरण...
दोसर विनती सुनियौ मैया
सखा वन्धु संग सखी सहेलिया
कुशल सकल संसार
हमर विनती सुनियौ मैया
मातु शरण...
तेसर विनती सुनियौ मैया
भाग्य–सोहाग अमर कए राखब
सासुर कुल परिवार
आनंद कुल परिवार
हमर विनती सुनियौ मैया
मातु शरण...



माँ केर दर्शन करब जरूर

वैष्णो माँ बसथि पहाड़
बसै छी हम सभ माँ सँ दूर
चलू आई दर्शन करब जरूर
माँ केर दर्शन करब जरूर
वाण गंगामे कए स्नान
गुलशन आश्रम करि जलपान
माँ केर चुनरी ओढ़ि शीश पर
धरबै ध्यान ज़रूर
माँ केर...

भवन पहुँचि पुनि करि स्नान
कीनब नारियल,
चुनरी, टिकुली
सांठि के छप्पन भोग थारमे
विनती करब जरूर
माँ केर...

नेम टेम सँ माए कँ पूजब
आशीष पाबि हिया अति हुलसत
माँ सँ आज्ञा पाबि पुनि हम
भैरव पूजब जरूर
माँ केर...



माँ हमर अपराध बिसरू

अंबिका हे माँ भवानी
आबि भक्तक लाज राखू
जननि हे कल्याण कारिणि
शोक, दुःख आओर विपत्ति टारू
महादुर्गा शक्तिरूपा
आबि आब हमरा उबारू
अंबिका...

जे अहाँकेर चरण पुजलन्हि,
धूप, गुग्गुल दीप लेसलन्हि
फूल कुमकुम बेलपत्र सँ,
पूजि मैया कँ रिझौलन्हि
हुनक सभ मनकामना माँ
पूर्ण स्वयं हि आबि केलन्हि
अंबिका...

भोग पातरि साजि हे माँ
पंचमेरक थार साँठब
लाल चुनरी लाल अँचरी
सोन रूपक घुंघरू बान्हब
पापिनी अपराधिनी छी
माँ हमर अपराध विसरू
अंबिका...



काली चरण सेवि तरबै

काली चरण सेवि तरबै
चरण नहिं छोड़बै हे मैया
अम्बे चरण सेवि तरबै
चरण नहिं छोड़बै हे मैया
सुनलहुँ मैया अति करुणामयि
पतित कतेको तारलनि भवानी
हमरो पर दया देखौथिन्ह
विपत्ति सभटा हरथिन्ह मैया
काली...

सुनलहुँ मैया छथिन्ह बड़ दानी
निर्धन अनेको कँ भरलनि बखारी
हमरो पर दया देखौथिन्ह
गुजर भरि देथिन्ह धन मैया काली...

सुनलहुँ मैया छथिन्ह शक्तिशाली
दानव सँ वसुधा कँ केलन्हि खाली
हमरो पर दया देखौथिन्ह
हमर अवगुण हरथिन्ह मैया
काली...



जानकी वन्दना

सियाजी हे घूरिक' अबियौ मिथिला
नैहर सून लगैये ना
जहिया सँ भूमि समेलियै
घुरियो ने कहियौ तकलियै
एक बेर आबो तकियौ ने
सियाजी...

सुनियौ हे माँ जगदम्बा
अहीं टा त' छी अवलम्बा
दुखिया के बिलमबियौ ने
सियाजी...

वसुधा बनल छै हे माता
रावण नगरिया
आयल विपत्तिक बेरिया ना
सियाजी...

सुनियौ हे सीता मैया
संगे लायब दुनू भैया
करथिन्ह अधम संहरिया ना
सियाजी...



आजु सोहावन लागए ना

आजु सोहावन लागए ना
माँ कालिका भवनमा
अधिक सोहावन लागए ना
सखी सभ आबथि
दर्शन पाबथि
माँ कँ करथि गोहारि
करजोड़िक' विनय करैत छथि
सुनियौ माय पुकार
आजु...

अन्हरा आबय मैया कँ मनाबए
सुनियौ माय हमार
एक बेर मैया दरश देखबियौ
नयनक सुख हम पायब
आजु...

कोढ़िया आबय
मैया कँ मनाबय
सुनियौ माय पुकार
कृपा दृष्टि दय हेरियौ मैया
कंचन काया पायब
आजु...



बाँझिनि आबय मैया कँ रिझाबय
खोलियौ ने मैया द्वार
हे ममतामयि करुणा देखबियौ
हमहुँ ममता लुटायब
आजु...

सभ केर बेरिया सुनी भवानी
तकियौ हमरहु ओर
हे जगदम्बा हमरो सुनियौ
जीवन सफल बनायब
आजु सोहावन लागय ना
माँ कालिका भवनमा
आजु...



कृपा करियौ हे भवानी

हे त्रिपुर नाशिनी जगत जननी
कृपा करियौ हे भवानी
गिरिराज हिमालय केर नन्दनि
भय हारिणि छी
भवतारिणी छी
हे...

केसर बिन्दी शोभए ललाट
अछि मोतियन माला कंठहार
हे...

कुंदन सँ शोभित मुकुट भाल
कटि स्वर्ण मेखला अछि कमाल
हे...

अछि अंग नवोदित रवि समान
देदीप्यमान अति मुखमण्डल
हे...

हे मृगनयनी चंचल नयनी
परब्रह्म रूद्र केर पटरानी
हे..

कुत्सित कुदृष्टि केर नाश करू
दिय विमल बुद्धि हे जगतमातु
हे त्रिपुर.....



करू कृपा हे माँ जगदम्बा

शीतल हिमगिरि वास हे माता
कलजोड़ि वन्दउँ हे जगमाता
कार्तिक गणपति संग विराजे
नन्दी संगमे हे सुखदाता
स्वामी अहाँक शिव बौरहबा
जटा विराजनि गंगा माता
गरदनिमे छैन्ह नागक माला
अजब वसन हुनकर बघछाला
भंगिया भिखारी जगविख्याता
सकल जगत केर भाग्यविधाता
विनय सुनू हमरो हे माता
करू कृपा हे माँ जगदम्बा



दुःख सहलो ने जाई

मैया हे लियौ ने खबरिया
आब दुःख सहलो ने जाई छै ना
गंगाजल सम जल नहिं भेटए
गंगा तट सम माटि
माँ वसुधा भिन्ने छथि कलुषित
देखि मनुषक नादानी
आब दुःख...
गुग्गुल, धूमन अरू धुपकाठी
सभटा भेल चलानी
दीपो बारब कोना हे मैया
जनिते छी किरदानी
आब दुःख...
फल, मधुर सभ भेल सेहेंता
सभटा भेलै विषाइन
असंतोष बढ़लै जन–जनमे
विचरय असुर समान
आब दुःख...



जगदम्बा वन्दना

सुनू हे मातु जगदम्बा
अपन खेरहा सुनाबै छी
दया सागरमे डूबल हम
चरण रज सँ जुड़ायल छी
कहब हम की अपन दुखड़ा
अहाँ सभटा जनै छी माँ
अधम पापी मलिन काया
सुपथ पर चलि ने पाबैत छी
ने जानी मंत्र, जप, पूजा
ने गाबी भावमय पाँति
तथापि मातु अम्बे केर
दयामृत सँ अघायल छी
चरण हम सेवि हे जननी
सदा पाओल सोगारथ जे
हमर विनती सुनू अम्बे
दीनन केर लाज राखू ने
बनल अछि भार हे माता
अधम पापी जगत भरिमे
हमर सभ वन्धु–वान्धव कँ
सुमति मति दए सम्हारू ने
सुनू विनती हमर अम्बे
सकल जग मातु हे काली
निहारू करूणा भरि नैना
सकल श्रृष्टि जुराबू ने



माँ उमा स्वीकार करियौ

मातु चरणक वन्दिनी हम
माँ उमा स्वीकार करियौ
वन्दना केर शब्द नहि अछि
भावना केर नाद सुनियौ
सुनल माता पतित तारिणि
पातकक उद्धार करियौ
चरण बैसल वन्दिनी पर
माँ उमा उपकार करियौ
छिन्नमस्ता सकल द्रष्टा
एकबेर दृष्टि उठबियौ
चरणरज सँ शुद्ध कए माँ
हृदय मध्य निवास करियौ
दीन हीन मलिन मति हम
आब दुःख ककरा सुनबियै
आश एक अहींक धेलहुँ
कए कृपा आशा पुरबियौ
आबो जँ हे मातु अम्बे
पातकक नहिं लाज रखबै
नाम केर महिमा जगतमे
कोना बाँचत से त बुझियौ



हिलि–मिलि पूजब काली माए

सुनियौ ने सखिया हे
चलियौ ने
हिलि–मिलि पूजब काली माय
रंग–बिरंगक फूल लोढ़िक'
मैयाक करब श्रृंगार
चुनरी साजब,
अचरी (साजब) टांगब
साटब आरतक पात
सुनियौ ने...

अक्षत खोंटब बेलपत्र खोंटब
गूथब फूलक हार
धूमन, गुग्गुल आओर दिवारी
लेसब मायक द्वारि सुनियौ ने...
केरा नारियल डाला साजब
संगमे थार मधूर
पान सुपारी लोंग गूथिक'
सांठब भोग सचार सुनियौ ने
चंवर डोलायब
आरती उतारब
इत्रक छोड़व फुहार
मिनती–गाबिक' माँ कँ रिझायब
कलजोड़ि करब प्रणाम
सखिया हे देथिन माँ वरदान
सुनियौ ने...



करियौ ने हमरो कल्याण

कल जोड़ि हम मिनती गाबी
धेलहुँ अहींक ध्यान
कृपा सुधा बरसबियौ मैया
करियौ ने कल्याण

हे कल्याणी मैया
करियौ ने हमरो कल्याण
ककरो देलियै अनधन लक्ष्मी
ककरो पूतकल्याण
ककरो देलियै निर्मल काया
ककरो दृष्टि सुजान

हे कल्याणी...
सबहक बेरिया रखलहुँ अम्बे
सभके केलहुँ निहाल
हमरो बेरिया सुनियौ हे अम्बे
हमरो करू सनाथ
हे कल्याणी...



मैया श्यामा हे

मैया श्यामा हे,
सुनियौ कनिञे हमरो पुकार
चिता भूमिमे अहाँ विराजी
भक्त जनक विपदा सभ टारी
भवभय भंजनि संकट मोचिनि
हरियौ विपत्ति हमार
मैया श्यामा...

शिवजीक प्यारी राजदुलारी
मैना मातुक परमपियारी,
तिमिर नाशिनी, जग कल्याणी
हमरो करू उद्धार
मैया श्यामा...

कार्तिक गणपति कोर खेलाबी
दूत–भूत पर स्नेह लुटाबी
अपन ह्रदयमे हमरो मैया
दियौ कनेक स्थान
मैया श्यामा...



कृपा करियौ ने अम्बे

कृपा करियौ ने हे अम्बे
अहीं केर आश धेने छी
विनय केर पांति हे अम्बे
अहीं कँ रचि सुनाबै छी
कृपा...

हमर की साध्य हे मैया
अहीं सभटा उचारै छी
निपट अज्ञान पुत्री कँ
सुपथ–पथ पर चलाबै छी
कृपा...

सुनू हे मातु जगदम्बा
डुबल मझधारमे नैया
उतारू पार हे माता
अहीं केर बाट ताकै छी
कृपा...

कमल पद् छोड़ि हे अम्बे
कहू ककरा शरण जेबै
चरणरज आबो नहिं पायब
थकित भए डूबि हम जेबै
कृपा करियौ ने हे अम्बे
अहीं केर आश धेने छी।



करथिन्ह जग कल्याण

फूल सन कोमल
मैया गोसाउनि
बज्र सनक बलवान
काली शक्ति स्वरूपा,
करथिन्ह जग कल्याण
काली...
मुठियेक डॉर मैया कँ
नामि–नामि लट छन्हि
मुस्की चन्द्र समान
काली...
लहठी सोन्हौला मैया कँ
बाँहि भरि शोभनि
गदरनिमे चन्द्रहार काली...
खड्‌ग त्रिशूल लय मैया
दुष्ट संहारथि
दानव करए हाहाकार
काली शक्ति...



मैया बड़ दुलरैतिन

काली हमर छथि बड़ दुलरैतिन
भावनि कुसुमक हार
मैया बड़ दुलरैतिन
अगर–तगर मैया कँ
मन नहि भावय
अढ़हुल फूल श्रृंगार
मैया...

मेवा ओ पेड़ा मैया कँ
मन नहिं भावय
नारियल केर प्रसाद
मैया...

अक्षत चंदन मैया कँ
मन नहि भावय
कुमकुम शोभनि ललाट
मैया...

हरियर–पीयर मैया कँ
मन नहिं भावय
लाले–लाले चुनरी कमाल
मैया...

दुष्ट–दलन मैया कँ
मन नहिं भावय
सेवक पर रहथि सहाय
मैया बड़ दुलरैतिन



मैया शेरावाली

सिंह साधि दुर्गा मैया
फीरथि रण–वन,
असुरक केलनि संहार
मैया शेरावाली
अबला पर रहथि सहाय
मैया शेरावाली...

रक्तबीज हतलनि मैया
चण्ड–मुण्ड घातिनी
महिषासुरक केलनि संहार
मैया शेरावाली...

उँच रे पहाड़ मैया कँ
आसन–सिंहासन
गमकए फूल सिंगरहार
मैया शेरावाली...
भक्त वरदायिनी मैया
पातक तारिणी
रक्षथि सगर संसार
मैया शेरावाली...



मैया जल्दी अबियौ

गहवर निपलहुँ मैया
धूप दीप लेसलहुँ
कहमा लगेलियै एती देर
मैया जल्दी अबियौ
अढ़हुल फूल मैया कँ बड़ मन भावय

माली बेटी राखल विलमाय
मैया जल्दी अबियौ...

लाली चुनरिया मैया कँ
बड़ मन भावए
जोलहा बेटी राखल विलमाय
मैया...

पंचमेर मधुर मैया कँ बड़ मन भावय
हलुवाइ बेटी राखल विलमाय मैया...

चौमुख दीप मैया कँ बड़ मन भावय
कल्पना राखल विलमाय
मैया जल्दी अबियौ
कहमा लगेलियै एती देर
मैया जल्दी अबियौ



मनुआँ जपि ले श्यामा नाम

मनुआँ मजि ले श्यामा नाम
मनुआँ जपि ले श्यामा नाम
नामक महिमा बड़ हितकारी
पूरत सभ मनकाम
मनुआँ...

सकल सुमंगल अति सुखदाई
आनन्दमय पुरधाम
मनुआँ...

भवसागर जंजाल–जाल सँ
पायब बहुविधि त्राण
मनुआँ...

नाम जपनमे दाम न लागय
कहि गेला चतुर सुजान
मनुआँ भजि ले श्यामा नाम
मनुआँ जपि ले श्यामा नाम



कोने विधि दर्शन पाएब

उँच रे पहाड़ पर बसथि भवानी
बाटो नहिं भेटए समतूल
कोने विधि दर्शन पाएब
तरसल नयना हमार
कोने...

बाट रे बटोहिया भैया
सुनू मोरा सखिया
कहियौ ने मैयाके उदेश
कोने विधि...

छोटी–छोटी माता रानी
शेर चढ़ि विचरथि
दर्शन पाबि होयब नेहाल
कोने विधि...

तरसल नयना हमार
कोने विधि दर्शन पाएब



तें हम विपत्तिमे परलहुँ

दु:खक बेरिया हे मैया
अहाँ कैँ सुमिरलहुँ
सुख माहि देलहुँ बिसराई
तैँ हम विपत्तिमे परलहुँ
क्षेमहुँ सब अपराध तैँ हम...
पूजा नहि केलियै माता
मिनती नहिं गौलियै
जपलौं ने नाम तोहार
तैँ हम विपत्तिमे परलहुँ
क्षेमहुँ...
फूलो ने तोरलहुँ मैया
दुबियो ने खोंटलहुँ
खोंटलहुँ ने अक्षतक चाउर
तें हम विपत्तिमे परलहुँ
क्षेमहुँ ...
कल जोड़ि कहथिन्ह कल्पना
सुनियौ हे सखिया
मैया छथि करुणा निधान
सभ केर मंगल करथिन्ह



सभ मंगल–मंगल आजु हे

सभ मंगल–मंगल आजु हे
मैया कँ भवनमे
छै आनन्द–आनन्द आजु हे
मैया कँ भवनमे
कहुँ ढोल बजय, मृदंग बजय
कहुँ डमरू केर छै शोर
मैया कँ भवनमे
सभ मंगल...
कहुँ गौरा नाचथि,
सखी सभ छमकथि
कहुँ तांडव केर छै जोड़ हे
मैया...
कहुँ ब्रह्मा विराजथि, विष्णु शोभथि
छै शिवजीक छवि अनमोल हे
मैया कँ भवनमे
सभ मंगल...



की गति होएत मोरा

हे जननी जगदम्ब भवानी
की गति होयत मोरा
मर्म ने जानी कर्म ने जानी
जीवन केर अध्याय ने जानी
जीवन पथ पाषाण भरल अछि
जन्म अकारथ मोरा
हे जननी...
मातु पिता गुरु सकल समाजा
सद्‌गति काल न आबय काजा
कर्मक फल सभ
भोगय जननी
निबुद्ध मलिन मति मोरा
हे जननी...
ककरा सँ कहबै के पतियाओत
निबल–दुबल बुझि सभ लतियाओत
एकटा आश अहीं केर जननी
आबि उठा लिअ कोरा
हे जननी जगदम्ब भवानी
की गति होयत मोरा



भैरव भैया दर्शन करा दियौ ने

माता कँ देखय ले तरसल नयन
कने दर्शन करा दियौ ने
भैरव भैया दर्शन करा दियौ ने
गंगा नेहेलियै, यमुना नेहेलियै
दर्शन केर सभटा जतन हम केलियै
तेयो ने दर्शन पौलियै
भैरव भैया...

चुनरी आनलियै, नारिकेल आनलियै
दर्शन केर सभटा जतन हम केलियै
तैयो ने दर्शन पौलियै
भैरव भैया...

मिनती हम गौलियै, माफी मंगलियै
दर्शन केर सभटा जतन हम केलियै
तैयो ने दर्शन पौलियै
भैरव भैया...

शेरावाली मैया छथिन्ह एकबोलिया
मोनेमन हुनका सँ जोड़लहुँ सिनेहिया
मैया छथि भावक भूखल
सभक रक्षा करथिन्ह मैया



हम की माँगव

भगवती सँ हम की माँगब
माँ उमा सभटा जनै छथि
भक्त केर मनकामना सभ
भगवती अपने पुराबथि
मातु चरणक सेविका हम
चरणमे सिंदूर चढ़बी
माँ हमर सौभाग्य–भागक
रक्षिणी प्रतिकार करथिन्ह
नित्य प्रति माँ अंबिका कैँ
चरणमे अलता रचाबी
मातु जगदम्बा हमर
अहिवात कैँ अमरत्व देथिन्ह
मातु करुणामयि कैँ हम
चरण नूपुर सँ सजाबी
जननी छथि वरदायिनी
कुलदीप सदिखन बारि रखथिन्ह
भगवती सँ हम की माँगब
माँ उमा सभटा जनै छथि



कल्याणकारिणी माँ

जय कालिका कल्याणकारिणी
जगत भव सँ तारिणी माँ
जय कालिका...

एलहुँ शरण माँ हारि जगसँ
करु कृपा करुणामयी
छी पुत्र–पुत्री अहीं केर माँ
छमहुँ अवगुण कालिका
जय कालिका
नर मुण्डमाल कपालिनि माँ
खड्ग–खप्पड़ धरिणीं

श्याम छवि अरू तीन लोचन
रूप अति मन मोहिनीं
जय कालिका
शिवा श्यामा महागौरी
नाम प्रिय वरदायिनि
भेष मंगल नहिं मुदा छी
सदति मंगलकारिणीं
जय कालिका.....

अढ़हुल फूलक हार गूंथब
भोग छप्पन साजिके
धूप–दीप कपूर बाती
विनय करब करजोड़िक'
जय कालिका...



''आबो सुनियौ माँ''

हे महाकाली माँ, हे महागौरी माँ
आबो सुनियौ नेना कैँ पुकार
नेत्र बंद कए बैसि भवानी
ध्यान धएल बमभोला
अपने मंगिया छथि बौरहबा
वासे हुनक मसान
हे महाकाली...

नेत्र खोलि माँ तकियौ एक बेर
बिलटल सगर जहान
कोर समटिक' हे जगदम्बा
लियौ ने बिलमाय
हे महाकाली...

करुणामयि छी हे जगदम्बा
तकियौ नेत्र उघारि
कृपा सुधा वरिसाय हे अम्बे
करियौ आब नेहाल
हे महाकाली माँ
आबो सुनियौ नेना कैँ पुकार



''कियो ने हमर माँ''

मातु जगदम्बा हे
कियो ने हमर रखवार
डूबल नैया हे माता
कियो ने खेबैया
माँ जगतारा हे
बनू ने हमर घटवार
मातु...
कोने अवगुणमाँ हे माता
हमरो बिसरि देलहुँ
माँ अवलम्बा हे
बनू ने हमर सरकार
मातु...
जन्में सँ पापी हे माता
धर्मों ने केलियै कहियो
माँ जगदम्बा हे
बनू ने हमर तारणहार
मातु जगदम्बा हे
कियो ने हमर रखबार



''भगवती माँ उग्रतारा''

भगवती माँ उग्रतारा
तारिणीं जगदम्बिका
रक्त पुष्प अतीव प्रिय माँ
हार गूथब मोन सँ
माँ कँ गरदनि हार शोभनि
पैर रूनझुन पैजनी
भगवती माँ...

लाल चुनरी, लाल अँचरी
लाल लटकल फूंदनी
भगवती माँ...

महिमामयि हे महामाया
मोक्षदा माँ तारिणीं
भगवती माँ...

पूर्ण सभ मनकाम करथिन्ह
भगवती भवभामिनीं
भगवती माँ...



''शिखर वासिनी भगवती''

शिखर वासिनि महागौरी
जगत जननी भगवती
महामाया शक्तिरूपा
दैत्य दर्प विनाशिनीं
शिखर...

सृजन कारिणीं जगत पालिनीं
मैया हे करुणामयि
शिखर...

सकल जग केर रक्षिणी हे
भक्ति–मुक्ति प्रदायिनीं
शिखर...

छमहुँ सभ अपराध जननी
मातृरूपा भगवती
शिखर...



''धूरि ताकू मैया''

एक बेर दृष्टि उठबियौ मैया
आबहु घूरिक' तकियौ ने
पांतरि पंथ परल छी
निपट अन्हरिया हे मैया
बाटो ने सूझय
आबिक' बाट देखबियौ ने
एक बेर...

पतित कतेको तारल
बूरल कँ अहीं उबारल
महिमा सुनै छी
हमरा आबि उबारू ने
एक बेर...

सुनियौ ने विनती हे मैया
हमरा विसरलहुँ कियेक
चरण ने छोड़ब आबिक'
कोर उठबियौ ने
एक बेर...



गमकय फूल सिंगरहार

गमकय फूल सिंगरहार भवनमे,
गमकय फूल सिंगरहार
माँ कँ भवनमे अबला बैसल
आबहु करहु गोहारि
हे जननी
गमकय...

सुनू हे जननी शक्ति स्वरूपा
होउने निबल सहाय हे जननी
गमकय...

नेना बालक भटकि रहल पथ
साधिक' सुपथ लगाउ हे जननी
गमकय...

एक अहीं केर आश हे मैया
आब ने करियौ निराश हे जननी
गमकय...



सुनू विनय जगत्र्याता

जय–जय हे कमलासिनी माता
सिन्धु सुता महामाया
कंचन वरण चपल मृगलोचन
चंचला हे महामाया
कतहु ने स्थिर वास अहाँ केर
चंचल चित्त विख्याता
जय–जय...

छनहिमे निर्धन भेल धनवाना
छनहिंमे राजा भेल रंक
कर्महि गुण फल पाबय जन–जन
सकल जगत सुखदाता जय–जय...

पूजा जप–तप विधि नहिं जानी
हम मूढ़ मति अज्ञानी
तैयौ कृपा करू हे माता
सुनु विनय जगत्राता
जय–जय...



''हरियौ सभटा विपत्ति मैया''

मैया दुर्गा हे
हरियौ ने सभटा विपत्ति हमार
महिषासुर केर मर्दन केलियै
चण्ड–मुण्ड परधाम पठेलिये
भक्तक केलहुँ उद्धार
करजोड़िक' ठाढ़ छी मैया
होउ ने अबल सहाय
मैया दुर्गा...
रक्तबीज सन असुर संहारल
सभटा माया अहीं पसारल
रक्षित कएल संसार
आबहु सुनू पुकार हे मैया
करियौ हमरो उद्धार
मैया दुर्गा हे
हरियौ ने सभटा विपत्ति हमार



दुर्गा मैया नमो–नमो

जय–जय हे महिषासुर मर्दिनी
दुर्गा मैया नमो–नमो
असुर निकंदनि भव भय भंजनि
दुर्गा मैया नमो नमो
जय–जय

दानव दल संहारक मैया
मानव रक्षक नमो–नमो
जय–जय...

संत समाजक कष्ट निवारक
अबला सहायक नमो–नमो
जय–जय...

लक्ष्मी रूपा शक्ति स्वरूपा
ज्ञान दायिनी नमो–नमो
जय–जय...



''भैरवि माँ''

भैरवि माँ हे भवानी
श्याम वर्णा भगवती
लाल चुनरी, लाल टिकुली
लाल लोचन भगवती
भैरवी...

सिंह चढ़ि–चढ़ि फिरथि जोगिनी
दैत्य दानव भक्छिनी
भैरवि...

शिव चरण केर वंदिनी स्वयं
चरण शोभनि शिव सदा
भैरवि...

मोह माया सँ उबारू
जननी हे, भवतारिणीं
भैरवि माँ हे भवानी
श्याम वर्णा भगवती।



भजू मन भद्रकाली

भजू मन भद्रकाली कैँ
सदति कल्याण कारिणी जे
महागौरी महामाया
उमा विमला शिवा जाया
अनन्ता अग्निज्वाला माँ
अपर्णा वैष्णवी माता
भजू मन...

सुरेश्वरी सुंदरी आद्या
महोदरी बुद्धिदा बहुला
कराली प्रौढ़ा शिवदूती
प्रत्यक्षा पाटला माता भजू मन...

पट्टाम्बर परीधाना
यति नारायणी नित्या
माहेश्वरी ऐन्द्री कौमारी
तपस्विनी बलप्रदामाता
भजू मन...



''हे कपाली''

भद्रकाली हे कपाली
चण्डमुण्ड विनाशिनी
कालरात्रि शिवा धात्री रक्तबीज विनाशिनी
महाकाली कालरात्रि
धूम्र शुम्भ विनाशिनी
व्याधि नाशिनि हे भवानी
सर्वशत्रु विनाशिनी
चण्डिके परमेश्वरी माँ
तारिणी भवभामिनी
ममतामयी हे मातृरूपा
सकल जग केर पोषिणी



''शिवप्रिया''

नमामि गौरी रक्तवसना
शिव प्रिया जगदम्बिका
आदि शक्ति त्रिपुर सुंदरि
भगवती भव भामिनि

त्रिगुणमयी कल्याण कारिणीं
त्रिगुण ताप विनाशिणीं
हे महेश्वरि महामाया
सकल संकट हारिणीं

करूणामयि हे महागौरी
ममतामयि भवतारिणीं
तिमिर नाशिनिं ज्वाला मैया
ह्रदयदीप प्रकाशिनि



विणय करै छी

विनय करैत छी
गीत गबैत छी
सुनू भवानी मोर हे
आबहु कृपा करू जगदम्बा
आब ने करू अबेर हे
सबहक सभ मनकामना मैया
अहीं पुरेलिये मोन सँ
हमरा बेरिमे आँखि मूनिक'
सूति रहलियै निन्न सँ
आश अहीं केर धेलियै मैया
हमर कियो नहि आओर छै
स्नेह सुधा बरसबियौ कनियों
हम कनै छी नोर सँ
भरि जग पर कल्याण करू माँ
हमरो तकियौ बेर पर
शरण आबिक' बैसि गेल छी
आब ने ठेलियौ फेर सँ



मैया आबि रहल छथि

सखी हे गहवर बड़ मनभावन

मैया आबि रहल छथि ना
लक्ष्मी सरस्वती संगमे
कार्तिक गणपति
छवि मनभावन लागे ना
सखी...

जयंति कलश शोभे
नारियल चुनरी
आजु अति पावन लागय ना
सखी...

असुर संहारल मैया
रक्तबीज मारल
आजु अति आनन्द लागय ना
सखी...

अबला कतेक उद्धारल
पतित कँ तारल
आजु मन हर्षित लागे ना
सखी हे गहबर बड़ मनभावन
मैया आबि रहल छथि ना।



''ऊँच भवनमे काली विराजथि''

ऊँच भवनमे काली विराजथि
हमर विनय कमजोर
काली सुनती कोना
सखी सभ आबू
आसन मारू
गीत गाउ अनघोल
मैया सुनती भने
हमर विनय...

ऊँच भवनमे काली विराजथि
(भक्त) सेवक
शरणमे ठाढ़
मैया देखती कोना
हमर विनय...

फूल बेलपत्र सँ पीड़िया सजाबू
दीप लेसि करू इजोर
काली देखती भने
हमर विनय...

ऊँच भवनमें काली विराजथि
हमर विपत्तिक नहिं ओर
काली बुझती कोना
हमर विनय...

अष्टगंध घूमन गमकाबू
लेपियनु तेल फुलेल
काली बुझती भने
हमर विनय कमजोर...



मैया हे जीवन भेल जंजाल

मैया हे जीवन भेल जंजाल
आबिक’ पार उतारू ने
मैया हे नाव फंसल मझधार
आबिक’ पार उतारू ने
जीवन मंत्र हे माता
हम नहिं सिखलियै
आबिक’ अहां सिखबियौ ने
मैया हे...

जीवनक बाट कठिन छै
तकनहुँ नहिं भेटय
आबिक’ वाट देखबियौ ने
मैया हे...

महिमा अहाँकँ हे माता
सभ सँ सुनै छी
आबिक’ हमरो सम्हारू ने
मैया हे...

पापी कतेको तारल
पतित कतेको उद्धारल
आबिक’ हमरो उबारू ने
मैया हे...



श्यामल सुरतिया मैया

श्यामल सुरतिया हे मैया
बड़ मनभावन
नैनक दियरा चमकए ना
दर्शन पाबि भेलहुँ नेहाल

नैनक....
औठियहि लट मैया कँ
बड़ रे भयाओन लागए
पापी अधर्मी मैया हे
डरि–डरि भागए
नैनक...

हाथ केर कत्ता हे मैया
चम–चम–चमकए
दुष्ट दानव हे मैया
रण छोड़ि भागए
नैनक दियरा...

शंखक ध्वनि हे मैया
सरपट काल भगाबए
देखि–देखि सेवक मैया हे
आनन्द मनाबए
नैनक दियरा चमकै ना
दर्शन पाबि भेलहुँ नेहाल नैनक...



रणे–वने घुमलहुँ माँ हे

रणे–वने घुमलहुँ माँ हे
गाछे पाते पूछल मा हे

कतहु ने भेटय मैया मोर
मैया के उदेस हे सखिया
वएह टा जानई छथि
माहे खंजनि चिड़ैया हुनि नाम
खंजनि चिड़ैया माँ केर
सखिया सहेली छथि माहे.....
दरश देखौतिह काली माय
नित उठि आहे खंजनि
बटिया तकई छी तोहर
तोहिं भेलह बैइरिनि मोर
खबड़ि ने भेटए मैया
अहूं कँ दरश केर
मुंहमो ने बाजय मिठ बोल
सोनहिं मढ़ाएब खंजनि
तोरो दुनू ठोरबा हे
खबरि जनाबू मोर माए
कल्पना कहय हे मैया
अंचरा पसारि हे माहे......
भरू मैया अंचरा हमार



''तखनहिं नाम परल दुर्गा''

कंटक पथ सँ दूर केलहुँ सभ
तखनहिं नाम परल दुर्गा
सिंह साधि साधक हम बनलहुँ
सिंह बाहिनी तखने नाम
चण्ड–मुण्ड असुर संहारल
तखने बनलहुँ चंडिका माए
रक्तबीज केर मर्दन केलहुँ
रक्तबीज मर्दनि भेल नाम
महाकाल संग डटिक' रहलहुँ
तें त' महाकालि भेल नाम
पोषित सभ दिन सभ कैँ केलहुँ
अन्नपूर्णा परल निज नाम
ज्ञानदीप जराओल घर–घर
तें त' बनलहुँ शारदा माय
महादेव केर सेवा केलहुँ
निशिवासर नित आठोयाम
पुत्र रत्न सँ भूषित तखने
महागौरी थिक हम्मर नाम
कृत्य जँ हम नहि करितहुँ कोनो
चिन्हतथि कोना सकल जहान
कर्म प्रधान त' सर्वविदित अछि
बिना कर्म नहिं कोनो ठाम
समयोचित सभ कर्म निबाही
येह टा थिक हमर फरमान
गुण गेने नहिं भेटत कतहु किछु
प्रेरणा मात्र छी ठाढ़ि प्रमाण
करू रक्षित मिलि भू केर आन
तखनहिं टा सभ बनब महान



वन्दना स्वीकारू माँ

वन्दना स्वीकारू हे माँ
हृदय मंदिरमे विराजू
मातु हे श्री शक्तिरूपा
श्यामवर्णा छवि अनूपा
सकल संकट विपत्ति नाशिनि
माँ उमा हमरो उबारू
वन्दना...

भक्त तारिणी, मोक्ष दायिनि
भक्त प्रिय वर दायिनी
सुपथ पथ दर्शाउ हे माँ
मुक्ति मार्गक दीप बारू
वन्दना...

हारि बैसल छी चरणमे
अहीं केर माँ आश धेने
हठ अपन नहि छोड़ब हे माँ
आबि आब आशा पुराबू
वन्दना...



भक्त भेल बेहाल

हरिय भक्तक भय भयंकर
कालिका जग पालिका
अति विलंब ने करिय माता
भक्त भेल बेहाल हे
फूल बेलपात लाल चन्दन
साजि आनल द्वार हे
नेत्र खोलू पलक हेरू
भक्त भेल बेहाल हे
मौरि, अँचरी, लाल चुनरी
नूपुर लेल गढ़बाय हे
दिव्य रूप देखाउ हे माँ
भक्त भेल बेहाल हे
अगर, गुग्गुल धूनि जोतल
दीप चौमुख बारिकें
करू कृपा हे महामाया
भक्त भेल बेहाल हे
मधुर बहुविधि थार सांठल
पातरि रचि–रचि साजि कँ
मातु हे स्वीकार करियौ
पुरत भक्तक आश हे



नेत्र खोलू मातु

हे मातु नेत्र खोलू
विपदा परल छै भारी,
एक आसरा अहीं केर
जल्दी अहाँ उबारू
कखनो ने ध्यान धेलहुँ
नहिं बीज मंत्र जपलहुँ
एक आश धेने अयलहुँ
आशा हमर पुराबू, हे मातु...........

गाबी ने गीत मिनती,
नहिं भोग किछु चढ़ाबी,
नहिं कर्म नीक जानी
पातक छी स्वयं सम्हारू हे मातु......

संतान हम अहीं केर
सभ दंड केर भागी
जनु ठेलि कँ भगाबी
निज कोर में बैसाबी
हे मातु...........



कानि क' कहै छी

दुःख की कहू अहाँकेँ
सभटा अहाँ जनै छी
भारी विपत्तिमे परलहुँ
तेँ कानिक' कहै छी
लागल जँ ठेस अचकहि
झट माय नाम उचरय
पीड़ा सभक हरै छी
तेँ कानिक' कहै छी दुःख...

अचरज जँ भेल भारी
पुनि माय कहि पुकारी
सबहक अहीं सुनै छी
तेँ कानिक' कहै छी दुःख...

हे माँ दया देखाबू
भव ताप सँ उबारू
सभ पर कृपा करै छी
तेँ कानिक' कहै छी दुःख...



''जगदम्ब शरण''

जगदम्ब शरण हम आबि गेलहुँ
आब जीवन केर परवाहे की
मैया केर आँचर स्वर्ग हमर
आब आओर कोनो परवाहे की
जीवन केर लक्ष्य कटित हो नित
माता चरणन केर सेवामे
दोसर किछु चाह ने अछि हमरा
नित उठि माता केर दर्शन हो
जीवन केर डोर छै मातु हाथ
आब आओर कोनो परवाहे की जगदम्ब...

नहिं धन संपति चाही किछुओ
सिर हाथ आशीषक हो सदिखन
थिक पुत्र, मित्र, वंधु, वांधव
एक मातु हमर नहिं दोसर केयो,
जीवन धन अर्पित माय चरण
आब आओर कोनो परवाहे की जगदम्ब...

तृष्णा विकार आओर द्वेष भाव
माता केर खप्पड़ ढारि देलहुँ
पथ कंटकमय वा अछि अन्हार
सभटा जगदम्बा लेथु भार
संपूर्ण चराचर अम्बेमय
आब आओर कोनो परवाहे की जगदम्ब...



रंग लाले–लाले

मैया केर चुनरी मालिन
फूल सँ सजेबिहें गे रंग लाले–लाले
गोटा लगबिहें लहटदार
गे रंग लाले–लाले
अंचरामे गुथिहें मालिन
अढ़हुल कलिया
गे रंग लाले–लाले
चोलीमे गुथिहें कचनार
गे रंग लाले–लाले
कुसुम, कमल लय मालिन
आसन सजेबिहें गे रंग लाले–लाले
अगर गुलाब ग्रीमलहार
गे रंग लाले–लाले
लिलि कुमुदिनी मालिन
मुकुट सजबिहें गे रंग लाले–लाले
मेहंदी सजेबिहें दूनू हाथ
गे रंग लाले–लाले
रूप माता कालिका केर बर रे सोहावन
हे रंग श्यामल–श्यामल चम–चम–चमकैन दुनू ठोर
हे रंग लाले–लाले



बिंदिया कमाल

मैया केर बिंदिया कमाल
कमाल जगजननी। मैया...

मुकुटक माणिक चम–चम–चमके
कानोंमे झुमका कमाल
कमाल जगजननी। मैया...

हाथक कंगना खन–खन–खनके
औंठी केर मीणा कमाल
कमाल जगजननी। मैया...

डाँरक डरकस झम–झम–झमके
पैरोंमे नूपुर कमाल
कमाल जगजननी। मैया...

लाली चुनर माँ कँ दम–दम–दमके
अंचरीमे गोटा कमाल
कमाल जगजननी
मैया केर बिंदिया कमाल



माता रहथिन्ह सहाय

सेवक पर रहथिन सहाय

सहाय महाकाली। सेवक...

मैया कैँ हाथोमे खर्ग विराजे

दुर्जन के करथिन संहार

संहार महाकाली

सेवक...

मैया के हाथोमे त्रिशूल विराजे

पापी कैँ करथिन उद्धार

उद्धार महाकाली सेवक...

मैया के हाथोमे चक्र विराजे

दुश्मन के करथिन विनाश

विनाश महाकाली

सेवक...

मैया के हाथोमे शंख विराजे

सेवक के करथिन सनाथ

सनाथ महाकाली

सेवक...



आबो सुनियौ माँ

हे मातु आबो सुनियो
एलहुँ शरण अहीं केर
कैयेक पतित के तारल
हमरो कने निहारू
हे मातु...

अहाँ ने सुनबै माता
ककरा सुनेबै गाथा
हारल सगर जगतसँ
आशीष दए सम्हारू
हे मातु...

जानी ने मंत्र पूजा
नहिं फूल हम चढ़ाबी
माता सभक कहाबी
बिगरी हमर बनाबू
हे मातु...

अछि पुत्र जँ कुपुत्रो
मतिमान माँ बनाबी
करूणामयी कहाबी
पावन पतित बनाबू
हे मातु...



दरसन दियौ मैया

चौमुख दीप बारि,
अहाँकँ तकलियै
हे महारानी मैया
दरसन दियौ ने देखाय
हे महारानी मैया...
घाट–बाट नीपि–नीपि
फूल सँ सजेलियै हे
महारानी मैया
आबियौ ने देहरी हमार
हे महारानी मैया...
धीया–पुत अहींक माँ हे
पूजनो ने जानए
हे महारानी मैया
क्षेमियौ ने सभ अपराध
हे महारानी मैया...



सूमिरब आठो याम

कुसुमक फूल लोढ़ि
चुनरी रंगेबै हे
जगदम्बे मैया
चोलिया सियाएब गोटेदार
हे जगदम्बे मैया
अढ़हुल फूल तोड़ि
हार हम गुथबै हे जगदम्बे मैया
अँचरीमे गूँथब गुलाब
हे जगदम्बे मैया
बेली, चमेली चुनि
गजरा बनेबै
हे जगदम्बे मैया
कमलक फूल ग्रीमलहार
हे जगदम्बे मैया
रुप साजि सुन्दर माँ कैँ
हृदयमे राखब हे जगदम्बे मैया
सुमिरब आठो याम
हे जगदम्बे मैया



सरस्वती वन्दना

सुनु बीणा केर सुर बाजि रहल
अमृत चहुँ दिश अछि वरसि रहल
माँ हंस वाहिनी ज्ञान दायिनी
छथि ज्योति पूंज पसारि रहल
श्वेत हंस थिक वाहन माँ केर
क्षीर–नीर कँ करए फराक
मोर पसारल पांखि सतरंगा
अद्‌भुत नृत्य मन मोहि रहल
रंग–अबीर उड़य चहुकाते
प्रेमक मधुमय बहय बसात
श्वेत वस्त्र सँ सज्जित माता
हरि लै छथि मन केर विकार
ज्ञान दीप जरैत अछि टिम–टिम
पसरल अछि सौंसे शुभ्र प्रकाश
शुभ्र ज्योत्सना भरि तन–मन कँ
हृदयांगन भेल नव संचार
सद्विचार, सद्‌बुद्धि सँ समृद्ध
ज्योतिर्मय बनबथि विवेक
शत् शत् नमन करैछी हे माता
कृपा दृष्टि फेरू एक बेर
सुनू विणय हे मातु शारदा
स्वीकारू हमरो प्रणाम
सभ अपराध छमहुँ हे जननी
संतति अहींक छी हम अज्ञानी



हमरो मिनती सुनियौ माता

काली, दुर्गा, तारा, अम्बा
कृपा करू हे माँ जगदम्बा
हमरो मिनती सुनियौ माता
कृपा करू हे भाग्यविधाता
चरण बैसि हम शीश झुकाबी
कलजोड़ि मिनती मनसँ गाबी
सीथ सेनूरक राखब मान
अमर सोहाग दिय’ वरदान
करुणामयि छी हे जगदम्बा
खोंइछ भरू हमरो हे अम्बा
नैहर सासुर कुल परिवार
आनन्द राखब सकल समाज



काली कल्याणी कहबै छी

कल्याण हमर करियौ मैया
काली कल्याणी कहबै छी
भवसागरमे भटकल नैया
हम नैनन नोर बहाबै छी
कल्याण करू....

सेवा, पूजाविधि, होम—जाप
हम अज्ञानी नहिं जानै छी
माँ अहींक
देल किछु फूल—पात
हे मातु अहींक चढ़ाबै छी
कल्याण करू....

अपना स्वारथमे लीन सदति
परहित नहिं सोचै छी कखनहुँ
अपना पुत्रक कल्याण हेतु
परपुत्रक बलि चढ़ाबै छी
कल्याण करू....

हम अंधभक्तिमे लीन सदा
जीवन भरि पाप बटोरै छी
करू माफ कालिका मातु अहाँ
अहीं पापमोचनी कहबै छी
कल्याण करू....



माफ करू हे माँ

हा जगदम्ब अपाटक हम
भवसागरमे ओझरायल छी,
सन्मार्गक बाट बिसरि जननी
कुपंथ मे पड़ि भोथियायल छी,
लोभ–मोह लालच घेरने
निज स्वार्थ हेतु औनायल छी,
अम्ब चरणरज छोड़िक' हम
मदिरालयमे घुरियायल छी,
करू माफ हे माँ अपराध हमर
हम दर्शन लेल बौआयल छी



हे श्यामा एलहुँ शरण अहाँ कँ
आब दुःख भने परेतै ना

भवसागर केर बाट कठिन छै
चलब कोना माँ घोर तिमिर छै
पथ भटकब जँ हे जगदम्बा
नाम अहीं केर सुमिरब अम्बा

अपना शरणमे राखि हे श्यामा
बाट देखबियौ ने

हे श्यामा एलहुँ ....

मातु पिता गुरु वचन ने मानी
नेम टेम आओर तंत्र ने जानी
चरण शरण ध' हे करुणामयी
मनक व्यथा हम आबि सुनाबी

पातक जानि सदा हे श्यामा
आब अवडेरियौ नै

हे श्यामा एलहुँ...........

सुनलहुँ कतेक अधम कँ तारल
बूरल नैया हे मैया पार उतारल
मूढ मलिन मतिहीन कतेको
संतति अपन हे मातु उद्धारल

सुमति मति द' हे माँ श्यामा
हमरहु तारू ने

हे श्यामा एलहुँ...............

